SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Bamboo Utility Product Maker

बैम्बू यूटिलिटी प्रोडक्ट टेलर (मेकर) बांस से रोज़मर्रा में काम आने वाले उपयोगी उत्पाद बनाता है — टोकरी, कुर्सी-मेज़ जैसा फर्नीचर, बांस की बोतल, लैम्पशेड, ट्रे, ऑर्गनाइज़र और सजावटी सामान — वह भी दिए गए डिज़ाइन और नाप के अनुसार।...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/voc-6303

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

बैम्बू यूटिलिटी प्रोडक्ट टेलर (मेकर) बांस से रोज़मर्रा में काम आने वाले उपयोगी उत्पाद बनाता है — टोकरी, कुर्सी-मेज़ जैसा फर्नीचर, बांस की बोतल, लैम्पशेड, ट्रे, ऑर्गनाइज़र और सजावटी सामान — वह भी दिए गए डिज़ाइन और नाप के अनुसार। वह बांस को काटता, चीरता, तराशता और (कई बार सिलाई मशीन से बांस-आधारित हिस्सों को जोड़कर) मज़बूत, सुंदर व टिकाऊ प्रोडक्ट तैयार करता है। प्लास्टिक के हरित (इको-फ्रेंडली) विकल्प के रूप में बांस उत्पादों की माँग तेज़ी से बढ़ रही है, इसलिए यह एक ऐसा हुनर है जो स्वरोज़गार, स्टार्टअप और निर्यात तक ले जा सकता है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	8वीं पास + 18 वर्ष (एनएसक्यूएफ लेवल 3)
कोर्स अवधि	लगभग 3–6 माह
आरंभिक वेतन	₹10,000–18,000/माह
कार्य-शैली	कार्यशाला/स्वरोज़गार, हस्तशिल्प

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- हाथों से कलात्मक और उपयोगी चीज़ें बनाने में रुचि
- डिज़ाइन, आकार और फिनिशिंग पर बारीकी से काम करना पसंद
- प्रकृति, बांस और इको-फ्रेंडली उत्पादों के प्रति लगाव

क्षमताएँ

- शारीरिक रूप से स्वस्थ और हाथ-आँख का अच्छा समन्वय
- रचनात्मक सोच और डिज़ाइन की समझ
- बारीकी, धैर्य और सफ़ाई से काम करने का गुण

ज़रूरी कौशल

- बांस को काटना, चीरना, तराशना और उपचारित (ट्रीट) करना
- सिलाई मशीन व औज़ारों से बांस-आधारित हिस्सों की सिलाई/जोड़
- टोकरी, फर्नीचर, बोतल व सजावटी उत्पादों की बुनाई व जोड़ाई
- डिज़ाइन व नाप के अनुसार उत्पाद बनाना और फिनिशिंग

- गुणवत्ता जाँच, पॉलिश, लाख/पेंट और पैकेजिंग
- औज़ार व मशीन की बुनियादी देखभाल और सुरक्षा
- लागत, कीमत तय करना और उत्पाद बेचना/मार्केटिंग

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 8 पूरी करें और 18 वर्ष की आयु प्राप्त करें।
2. 'बैम्बू यूटिलिटी प्रोडक्ट टेलर' (एनएसक्यूएफ लेवल 3) कोर्स के लिए एनएसडीसी/जेएसएस केंद्र में नामांकन करें।
3. बांस की कटाई, बुनाई, फर्नीचर व फिनिशिंग का व्यावहारिक अभ्यास करें।
4. केन एंड बैम्बू टेक्नोलॉजी सेंटर (CBTC) या नेशनल बैम्बू मिशन के तहत उन्नत प्रशिक्षण लें।
5. स्वयं सहायता समूह/शिल्प क्लस्टर से जुड़ें, अनुभव लें और अपना ब्रांड/उद्यम शुरू करें।
6. राजस्थान में आरएसएलडीसी/पीएमकेवीवाई केंद्रों से भी प्रशिक्षण व सहायता ली जा सकती है।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — जयपुर, राजस्थान (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/)
- केन एंड बैम्बू टेक्नोलॉजी सेंटर (CBTC) — गुवाहाटी, असम (राष्ट्रीय)
- नेशनल बैम्बू मिशन (NBM) — अखिल भारतीय
- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) / जन शिक्षण संस्थान (JSS) — राजस्थान सहित अखिल भारतीय (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)
- एनआईओएस व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र — ऑनलाइन/निकटतम केंद्र खोजें (https://voc.nios.ac.in/registration/locate-study-centre)

निजी संस्थान

- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ क्राफ्ट्स एंड डिज़ाइन (IICD) — जयपुर, राजस्थान (https://www.iicd.ac.in/)
- नॉर्थ ईस्ट केन एंड बैम्बू डेवलपमेंट काउंसिल (NECBDC) — गुवाहाटी, असम (https://necbdc.in/about-us/)

ऑनलाइन

- स्किल इंडिया डिजिटल हब — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)
- एनएसडीसी – प्रशिक्षण केंद्र खोजें — ऑनलाइन (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)

फ़ीस

अधिकांश सरकारी योजनाओं (एनएसडीसी, जेएसएस, आरएसएलडीसी, नेशनल बैम्बू मिशन, सीबीटीसी) के तहत यह प्रशिक्षण मुफ़्त या बहुत कम शुल्क पर मिलता है। निजी संस्थान/डिज़ाइन कोर्स की फीस लगभग ₹5,000–25,000 तक हो सकती है।

छात्रवृत्तियाँ

- PM Vishwakarma Yojana (शिल्पकार/बास्केट मेकर) (https://pmvishwakarma.gov.in/)
- National Bamboo Mission (NBM) (https://www.myscheme.gov.in/schemes/nbm)
- PMEGP – खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) (https://www.kviconline.gov.in/)
- Pradhan Mantri MUDRA Yojana (स्वरोज़गार ऋण) (https://www.mudra.org.in/)
- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/fresh/onlineInstituteSearchIndex)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

बांस शिल्प निर्माण एजेंसियां, बांस उत्पाद बेचने वाली दुकानें व स्टार्टअप, स्वयं सहायता समूह, शिल्प क्लस्टर, और अपना घरेलू उद्यम/वर्कशॉप।

कार्य-संस्कृति

आमतौर पर सप्ताह में 5-6 दिन, रोज़ 8-9 घंटे काम; कभी-कभी ओवरटाइम। ज़्यादातर काम बैठकर हाथों व औज़ारों से होता है। इस क्षेत्र में दिव्यांगजनों के लिए भी अवसर मौजूद हैं और महिलाएँ घर से भी काम कर सकती हैं।

कौन नौकरी देता है

- बांस उत्पाद स्टार्टअप व इको-फ्रेंडली ब्रांड (जैसे बैम्बू इंडिया, कैनबू क्राफ्ट)
- स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) और शिल्प उत्पादक कंपनियां (एफपीओ)
- रिसॉर्ट, होटल व इको-टूरिज़्म इकाइयां (बांस फर्नीचर/सजावट)
- हस्तशिल्प निर्यातक और होम-डेकोर कंपनियां
- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) व राज्य हस्तशिल्प निगम
- स्वरोज़गार — अपना बांस उत्पाद उद्यम या ऑनलाइन स्टोर

माँग (2026)

प्लास्टिक पर रोक और 'ग्रीन/इको-फ्रेंडली' उत्पादों की बढ़ती माँग के कारण बांस की बोतल, टोकरी, फर्नीचर, स्ट्रॉ और सजावटी सामान की माँग देश-विदेश में तेज़ी से बढ़ रही है। नेशनल बैम्बू मिशन, PM विश्वकर्मा और मुद्रा जैसी योजनाएँ इस क्षेत्र में स्वरोज़गार व स्टार्टअप को बढ़ावा दे रही हैं, जिससे कुशल बांस कारीगरों की माँग लगातार बनी हुई है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. बांस कारीगर / प्रशिक्षु (आर्टिज़न)
2. कुशल बैम्बू यूटिलिटी प्रोडक्ट मेकर
3. प्रोडक्ट डिज़ाइनर / प्रोडक्शन पर्यवेक्षक
4. अपना बांस ब्रांड / उद्यमी (स्टार्टअप व निर्यात)

कमाई

शुरुआत	₹10,000–18,000/माह
मध्य स्तर	₹20,000–35,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹45,000–1,00,000+/माह

एन.सी.एस. के अनुसार शुरुआती आय लगभग ₹8,000–20,200/माह है (सांकेतिक)। कुशल कारीगर व डिज़ाइनर इससे अधिक कमाते हैं, और अपना ब्रांड/उद्यम खड़ा करने पर आय बहुत बढ़ सकती है — जैसे बांस उत्पाद स्टार्टअप 'बैम्बू इंडिया' का सालाना कारोबार वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग ₹4.5 करोड़ तक पहुँचा। आय जगह, कौशल और बाज़ार पर निर्भर करती है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- इको-फ्रेंडली उत्पादों की बढ़ती माँग और स्वरोज़गार/स्टार्टअप के अवसर
- कम पूँजी में घर या गाँव से शुरू किया जा सकने वाला हुनर
- सरकारी योजनाओं (NBM, PM विश्वकर्मा, मुद्रा) से प्रशिक्षण व ऋण सहायता

चुनौतियाँ

- हाथ का मेहनती काम; औज़ारों से चोट का ध्यान रखना पड़ता है
- शुरुआती आय सीमित और मौसमी/ऑर्डर पर निर्भर हो सकती है
- अच्छी कमाई के लिए मार्केटिंग व बिक्री कौशल भी सीखना ज़रूरी

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Yogesh Shinde
संस्थापक, बैम्बू इंडिया (पुणे) — बांस उत्पाद उद्यमी

बार्कलेज़ बैंक में असिस्टेंट वाइस-प्रेसिडेंट रहे योगेश शिंदे ने यूरोप की नौकरी छोड़कर 2016 में पुणे के पास वेल्हे गाँव से 'बैम्बू इंडिया' शुरू किया। एक किसान मित्र की आत्महत्या से आहत होकर उन्होंने किसानों को आमदनी देने और प्लास्टिक की जगह बांस के उपयोगी उत्पाद बनाने का मिशन उठाया। शुरुआत में 10 किसानों को प्रशिक्षित कर उन्होंने बांस से टूथब्रश, कंघी, डेस्क ऑर्गनाइज़र, कटलरी, स्पीकर और स्टेशनरी जैसे उत्पाद बनाए। आज उनका उद्यम 1,000 से ज़्यादा किसानों से जुड़ा है, 65 लाख किलो से अधिक प्लास्टिक की जगह ले चुका है और वित्त वर्ष 2024-25 में इसका कारोबार लगभग ₹4.5 करोड़ तक पहुँचा। उनकी कहानी बताती है कि बांस उत्पाद बनाने का हुनर एक बड़े इको-फ्रेंडली ब्रांड में बदल सकता है।

The Better India · https://thebetterindia.com/82441/bamboo-india-social-enterprise-pune-farmers-yogesh-shinde/

Varsha Bajaj
संस्थापक, कैनबू क्राफ्ट (गुवाहाटी) — बांस फर्नीचर व सजावट उद्यमी

गुवाहाटी की वर्षा बजाज ने पति के निधन और कठिन दौर के बाद खुद को फिर से खड़ा किया और 2021 में 'कैनबू क्राफ्ट' नाम से बांस व बेंत के हस्तनिर्मित उत्पादों का उद्यम शुरू किया। वे बांस से सोफा-सेट, कुर्सियाँ, झूले, लैम्पशेड, टोकरी, प्लांटर और बोहेमियन होम-डेकोर जैसे सुंदर व टिकाऊ उत्पाद डिज़ाइन के अनुसार बनवाती हैं। उन्होंने गुवाहाटी के बेंत क्लस्टर के 10 कारीगरों को जोड़कर शुरुआत की और उन्हें घर से काम करने की सुविधा दी, ताकि कारीगर सहज महसूस करें। उनकी यात्रा उन महिलाओं के लिए प्रेरणा है जो बांस शिल्प को आत्मनिर्भर करियर व अपना ब्रांड बनाना चाहती हैं।

The Better India · https://thebetterindia.com/313173/guwahati-woman-makes-stunning-bamboo-furniture-canboo-crafts-varsha-bajaj/

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – बैम्बू यूटिलिटी प्रोडक्ट टेलर — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%ac%e0%a5%88%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%ac%e0%a5%82-%e0%a4%af%e0%a5%82%e0%a4%9f%e0%a4%bf%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%9f%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%8b%e0%a4%a1%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%9f/

2. पीएम विश्वकर्मा योजना — https://pmvishwakarma.gov.in/

3. द बेटर इंडिया – बैम्बू इंडिया (आय संदर्भ) — https://thebetterindia.com/82441/bamboo-india-social-enterprise-pune-farmers-yogesh-shinde/

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल
रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।
career.gsssjethantri.in